

ओझल एहसासों की रोशनी...



स्याही की

चमक

संकलनकर्ता

प्रवेश कुमार
अविरल त्रिपाठी

विषय - सूची

किरण की स्याही से.....	1
बेरंग हो जाना	
नैन	
मनिषा की स्याही से.....	5
नारी परिवर्तन	
इबादत	
आर्चिशमान की स्याही से.....	9
मेरा जय हिंद सुन लेना	
जश्र की मिठास दे आता हूँ	
तृतृष्णा की स्याही से.....	13
चुपचाप	
मोहताज	
निमित्त की स्याही से.....	17
भारत के वीर	
रूठा चाँद	
जुल्कर-नैन की स्याही से.....	21
शाम-ए-ज़िन्दगी	
मजहब	
सदफ की स्याही से.....	25
मैं अब क्या लिखूँ	
जाने क्यूँ	



मनिषा पाठक

मनिषा मनोज पाठक प्रैक्टिसिंग एडवोकेट और लॉ कॉलेज में प्रोफेसर हैं, वह मुंबई में रहती हैं। वह आई. आई. डब्ल्यू नामक एनजीओ से जुड़ी हुई हैं जो बच्चों और महिलाओं की प्रगति में सहायक है। उनकी साहित्य और लेखन में गहरी रुचि है और वह समाज में पिछड़े वर्ग के लिए सहायक बनने के लिए इच्छुक हैं।

नारी परिवर्तन

नाज़ों से पली, अपनों की नन्ही कली थी।
ना जाने कब वो बुरे साए में घिर गई थी।

उड़ान भरने लगी वो तब घिर गई दरिदों में।
उसकी क्या गलती थी फंस गई अंजाने घरौंदों में।

इज़्जत थी अपने घर की, बदनामी न वो सह पाई।
चली गई इस दुनिया से कलंकित जीवन में रह न पाई।

बेटी बोझ नहीं, लेकिन कहीं न कहीं डर है माँ-बाप का।
इस समाज में सुधार लाना, कर्तव्य है हमारा और आप का।

लाड-प्यार से पालें मगर हिम्मत से रानी लक्ष्मीबाई बनाएँ,
कमज़ोर नहीं ये दुर्गा है चलिए हम सभी को बतलाएँ।

इबादत

जानते हैं हम उनकी मोहब्बत और चाहत हैं,
केवल उन्हें ही इस दिल में आने की इजाज़त है।
लफ़्ज़ों के सहारे नहीं, आंखों से बातें हों जिनकी।
वो खुदा से एक-दूसरे की एकमात्र इबादत है।

स्याही की

चमक

CERTIFICATE OF CO-AUTHOR

This certificate is awarded to

मनिषा पाठक

for recognition as a co-author of
"स्याही की चमक" having registered ISBN(s) as
978-81-952565-3-2 (Paperback) and 978-81-952565-2-5 (Ebook)
released in January, 2022.



SYED FAIZ IBRAHIM
Founder & CEO



KAMLESH MISHRA
Co-Founder & COO

स्वालीपन



भारत के कवियों द्वारा

खालीपन

सह-लेखक

- 1) Abhishek (वायरस)
- 2) Adv Manisha Pathak
- 3) Alisha Batham
- 4) Alka Patel
- 5) Amit Maurya
- 6) Ashvini Bansode
- 7) Avi Patel (Master A.K)
- 8) Ayushi Kunwar Songara
- 9) Chahat
- 10) Dr.Ravindrapal Singh Muzalda (KaviRp)
- 11) Gaurav Chakraborty
- 12) Gayatri
- 13) Harsh Rathore
- 14) Lavy_Likhari
- 15) M J Patel
- 16) Misbah Shakeel
- 17) Musharraf Ahmed
- 18) Nainsi Shah
- 19) Patel5
- 20) Peeyushi Jha
- 21) Pimnu
- 22) Pragya
- 23) Rihaj Khan
- 24) Ruksar Bano
- 25) Sapna Chaudhari
- 26) Saw Roshni
- 27) Sheikhruby
- 28) Shubham Verma

नारी - ख्वाहिशों का महल।

"अधूरी ख्वाहिश है, फिर भी अनगिनत नुमाइश है
हां हमें भी कुछ, ऊंची उड़ानों की आजमाइश है
इच्छा, अभिलाषा (मनिषा) नाम में है हमारे
हां इन पंखों में, कुछ उड़ान भरने की साज़िश है।
अधूरी सी - कुछ पूरी सी, हस्ती है हमारी,
हां अपनो मे जान, बसती है हमारी,
दावा करते हैं, किनारों पर नहीं थमेगी
हां तुफ़ां को पार करे, ऐसी कशती है हमारी।
अधूरी है एक नारी, किसी के नाम बिना,
हां यही गलतफहमी में, सभी को है जीना,
जानना चाहते है आज, आप सभी से हम,
हां बताइए इस दुनिया ने हमसे, क्यों बहुत कुछ छीना।
अधूरी है आज, हमारी आन बान शान,
हां लेकर रहेंगे हम, सभी से अपना सम्मान,
घर सुरक्षित है, अब समाज और देश करेंगे,
हां इस बात की गांठ बांध, कर लिजिए ये जान।
अधूरे पर आज की रानी लक्ष्मीबाई है, कल की सती नहीं,
हां बहुत सहे ये अत्याचार, अब कोई अति नहीं,
कश्मकश तो आखिरी सांस तक होगी
हां कदम पीछे खींच ले, ऐसी हमारी कोई नीति नहीं।
अधूरी कहानी तो बहुत पढ़ी होगी, किन्तु हम मां काली की नारी है,
हां जिंदगी जीने में उलझन, माता सिया की भांति बहुत सारी है,
चलिए हम सब मिलकर, देवताओं को साक्षी मान प्रण लें आज,
हां ख्वाहिशों का महल बनाएं, क्योंकि अब जहां में नारी की बारी
है।"

~ Adv Manisha Pathak



CERTIFICATE OF PUBLICATION

is proudly presented to

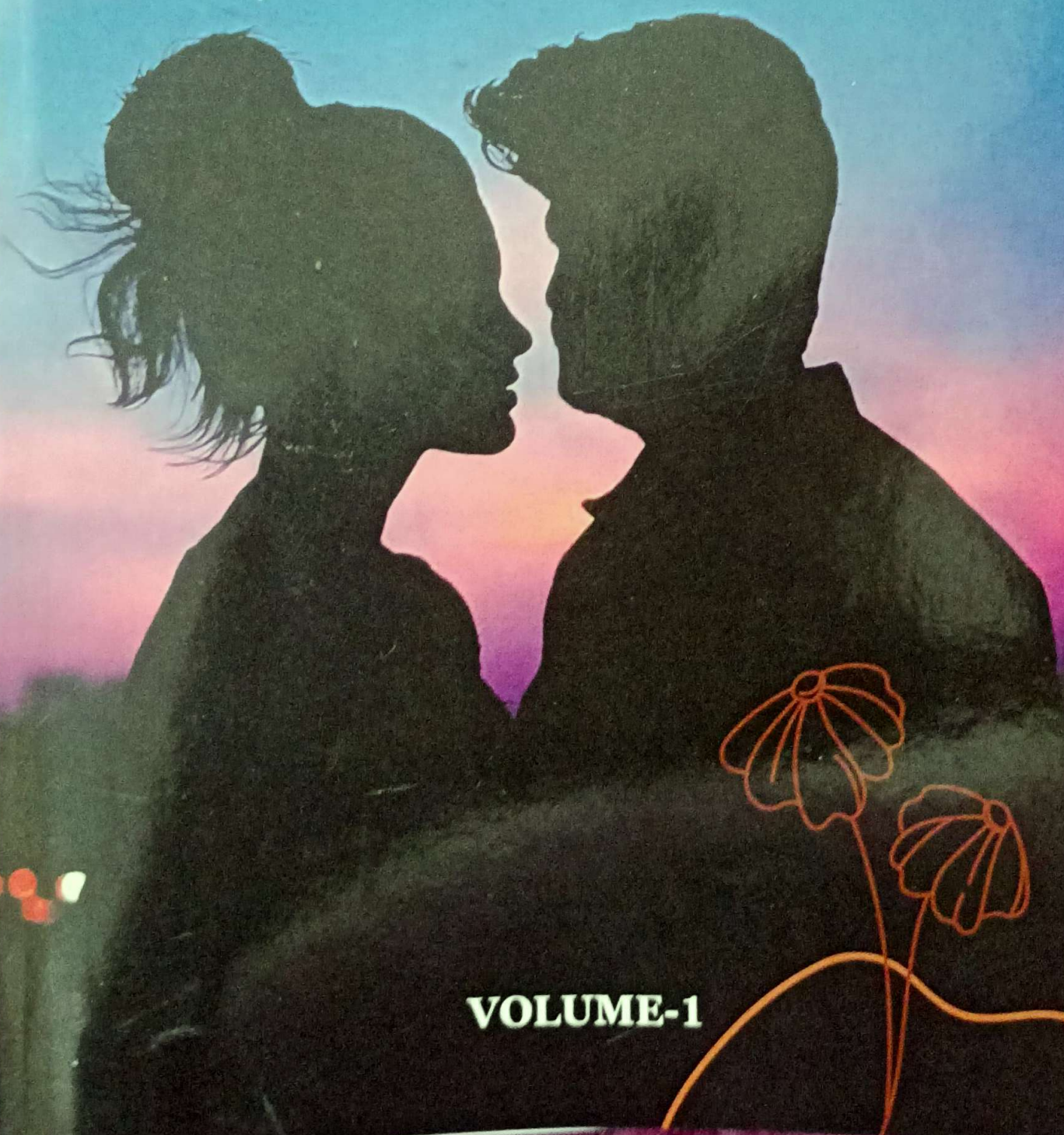
**Adv Manisha
Pathak**

for being a co-author of the anthology "खालीपन"
under ISBN Number "978-93-93377-45-6"
published by "The wordings" in 2023.

ASHUTOSH KUMAR
Founder & CEO
The Wordings

Limerence

For the Love, by the Lovers



VOLUME-1

LIMERENCE VOLUME-1

Contents

Aboli Bhide.....	9
His silence was tearing me.....	10
His silence.....	11
Aditi Priyadarshni.....	12
Love under Sycamore.....	15
Adv Manisha Pathak.....	17
You and I.....	18
Ajita Sharma.....	19
Irreplaceable Love.....	20
Never alone.....	21
Ananya Singh.....	22
Ek tarfa pyar.....	23
The last goodbye.....	24
Anita Gehlot.....	25
To Love or Not to Love?.....	26
पूनम का चांद.....	28
Ankita Singh.....	29
Limerence is blossom of infatuation.....	30
Limerence! Limerence Limerence!.....	31
Anuja Sinha.....	32
सुकून.....	33
बस तुम.....	34

Adv Manisha Pathak



Adv Manisha Pathak is a practicing advocate in the jurisdiction of Bombay High court, she is also a part of an NGO named IIW therein taken various initiatives for upliftment of vulnerable section of society. She is lecturer in Law College at Mumbai.

You and I

"I am like a scattered pearl,
You are God's thread of miracles,
I'm like a tangled and puzzled brick,
You are a building which is definitional.

I am wearing a proud crown,
Reason is you, why I'm wearing gown,
my love is flowing like an ocean,
You are king of my heart's town.
I take a small step and initiative,
With you my life is being creative,
You are the seed to be grown
with whom I feel originative.

Having you is my only goal,
You are my lucky charm and soul,
I can't tell you the amount of love
I see you as in my life as a whole. "



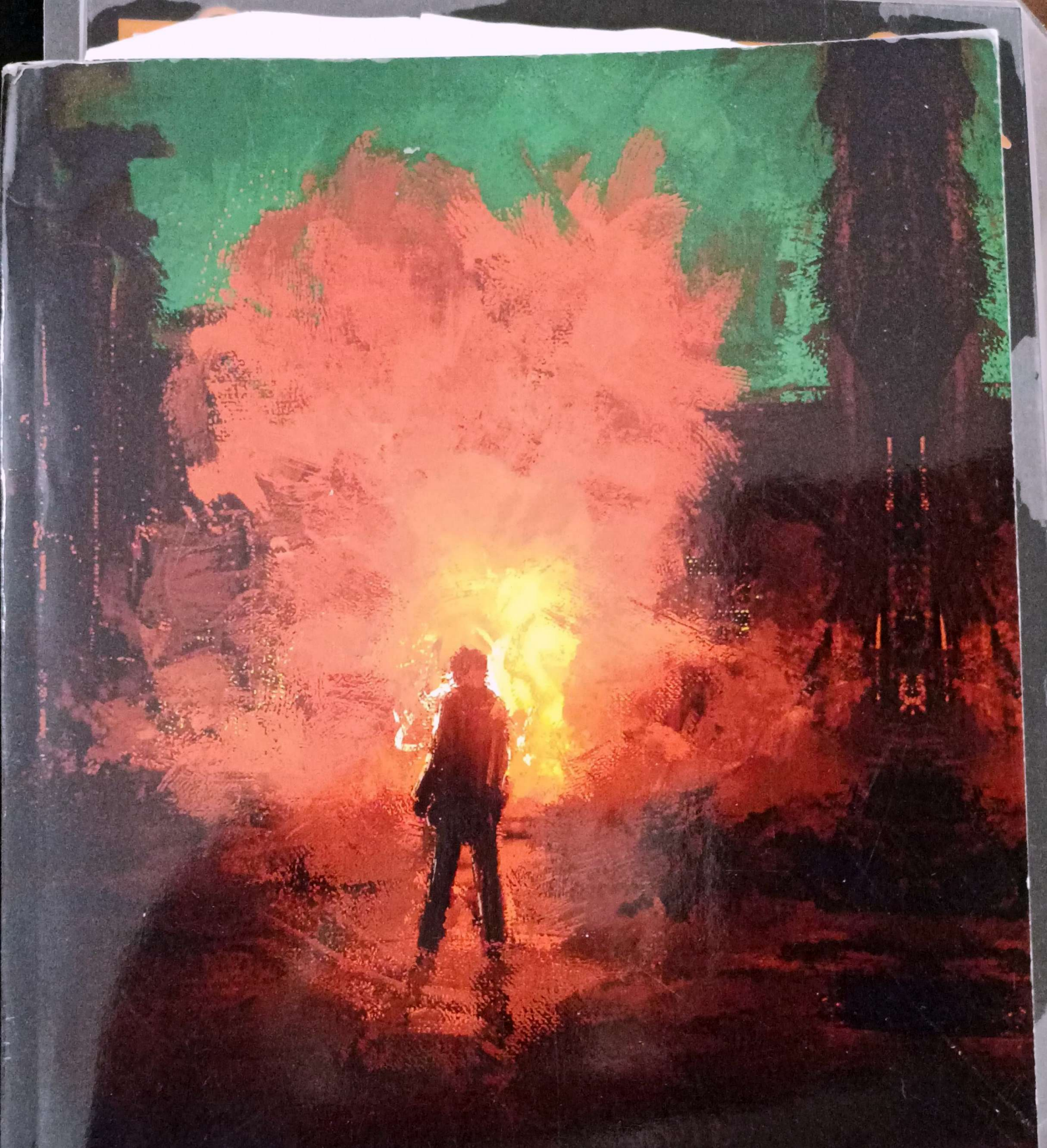
- CERTIFICATE -
OF PUBLICATION

is proudly presented to

ADV MANISHA PATHAK

for being a co-author of the anthology "Limerence
Volume-1" under ISBN Number "978-93-93377-20-3"
published by "The Wordings" in 2023.

ASHUTOSH KUMAR
Founder & CEO, The Wordings



WAVES OF RESONANCE

VOLUME-2

By
Poets of India

118. Manasa Suresh
119. Manasi Maharana
120. Mani Anjani Polisetty
121. Manisha Manoj Pathak
122. Manisha Sharma
123. Mannu
124. Mansi Runwal
125. Mansi.P.B.
126. Manya Wadhwa
127. Maroof Rather
128. Marusa Khatun
129. Masood Hassan Khan
130. Master Shubham
131. Mayank
132. Mayura Naik
133. Md Naushad Alam
134. Md Tanbir Shamim
135. Megha Maktedar
136. Megha Sareen
137. Mehtab
138. Mishi Seth
139. Mishra Vijayalaxmi
140. Moge D Lendo
141. Mohammad Aasif
142. Mohammed Saifi
143. Mohammed Tabarak
144. Mohmed Ehtesham
145. Mokshita
146. Monika Kanojiya
147. Mousumi Bakshi

Family

"Among children, Father lays down the foundation,
mother teaches the strength equivalent to nation,
grandparents are roots and heart, spreading smile like an ocean
It has the happiness of children like buds and things remain
same from generation

By the grace of father along with the blessings of mother,
by the innocent actions of children who stay with one another,
Family is carved and shaped with the hands of elders
this is our family without considering any fault further.

In mother's shadow, on father's shoulder,
With the love of grandparents who's older,
house of desire, passion and love for each other
Only the family is there, who stay together.
Showers love, joy, peace so anything, we can chase,
Involved in a prosperity, craftiness with grace,
Every single word or various phrases are small before family
it releases stress and provides a strength towards progress.

Each and Every family members make an unique family,
parents and elders' water their house with love happily,
All of us must keep this boat going like this
And should not be affected by any things subsequently.

never "me" or "you", It's about "we", "us" "and "our"
No comments no debate, just glowing as a flower,
a decision of older is everything for youngers
Like this they trust and continue without any devour.
And it's called a Family, your, mine, ours.... "

~ Manisha Manoj Pathak



CERTIFICATE OF PUBLICATION

is proudly presented to

**Adv Manisha
Pathak**

for being a co-author of the anthology "Waves
of Resonance Volume-2" under ISBN Number
"978-93-93377-28-9" published by "The
wordings" in 2023.

A handwritten signature in black ink, appearing to read "Ashutosh", is positioned above a horizontal line.

ASHUTOSH KUMAR
Founder & CEO
The Wordings

Life Of Lilies Volume-1



BY POETS OF INDIA

Co-Authors

1. A. Rajalakshme
2. Aamir Reyaz shicikh
3. Aaratrika Santra
4. Aayu
5. Abhishek Sharma
6. Abinaya Uthiramoorathi
7. Aboli Vijay Bhide
8. Adarsh Kumar
9. Adila Firoz
10. Adithya J
11. Aditi
12. Aditi Priyadarshni
13. Aditi Rohilla
14. Aditya Luthra
15. Adv Manisha Pathak
16. Aishwarya
17. Aishwarya Rai
18. Ajita Sharma
19. Akash Chauhan
20. Akash Kumar Singh
21. Aksaruzzaman SK
22. Akshat Khandelwal
23. Akshata. Subhash. Raikar
24. Akshaya
25. Alik Chakraborty
26. Alina Zaidi
27. Aliya Noor Afshan
28. Alok Kumar Saxena

सिया रघुराई

राजा दशरथ ने समस्त मंत्रीगण की थी सभा बुलाई,
विचार परामर्श के उपरांत राम राज्याभिषेक की बारी आई,
हर्षोल्लास से समस्त अयोध्या नगरी खिलखिलाई,
किंतु दासी मंथरा, महारानी केकई के मस्तक में कूटनीति
रचाई,
केकई ने याद दिलाए वचन को एवं राजा दशरथ से मनमानी
करवाई,
राम खातिर बनवास और अपने पुत्र के लिए राजसिंहासन
बनवाई,
पिता वचन को पूर्ण के खातिर निश्चित किए एवं लक्ष्मण सिया
संग बनवास निकले रघुराई,
जनकपुर राजकुमारी- अयोध्या की भावी महारानी को वन-वन
भटकने में भीषण थी कठिनाई,
एक स्त्री का हर धर्म निभाकर पती- देवर संग पार की वन की
गहराई,
हंसी खुशी बांट रहे थे तीनों ये परेशानी जो भाग्य में आई,
नज़र लगी इनके शांत जीवन में जब बारी सूर्पणखा की आई,
अपने कृत्य से लक्ष्मण को क्रोधित कर अपनी नाक कटाई,
लौटी लंका रावण के समक्ष बिलख बिलखकर स्वांग रचाई,
बहन का अपमान ना सह पाए ऐसे थे दशानन अभिमानी,
सूर्पणखा रो-रोकर बदला लेने खातिर दशानन को उकसाई,
स्वर्ण हिरन का स्वांग रचाकर त्रिलोक विजेता स्वयं जगदम्बा को
थे हर लाई,

सिया को छुड़ाने खातिर अब राम लक्ष्मण की बारी है आई,
हनुमान मिलें उन्हें राह में और सुग्रीव संग मित्रता बढ़ाई,
कूच करने लंका पर हनुमान, जांभुवत, सुग्रीव, नल-नील समेत
वानर सेना ले चले रघुराई,
शांति प्रस्ताव ले भेजा बालिपुत्र अंगद को परंतु लंकापति रावण
नासमझी ने भुल कराई,
बहुत समझाया पत्नी व भाई ने किंतु अनुज विभीषण को देश
निकाला, रानी मंदोदरी की बात ना भाई,
कुंभकर्ण ने खूब समझाया कि भगवान विष्णु के अवतार श्री राम
है अंत आपका अब घात लगाय,
किए युद्ध सब नष्ट हुआं लंका जिसे भूतकाल में सोने से सजाय,
अंत काल रघुबर किए जो रावण था कहाय,
लौटे अयोध्या तब भरत ने अपनी तख्त लौटाई,
बारी अब रामनगरी में हर्षोल्लास की आई,
ऐसे थे हमारे सिया रघुराई।

~ Adv Manisha Pathak



CERTIFICATE OF PUBLICATION

is proudly presented to

Manisha Pathak

for being a co-author of the anthology "Life of Lilies Volume-1" under ISBN Number "978-93-93377-17-3" published by "The wordings" in 2023.

ASHUTOSH KUMAR
Founder & CEO
The Wordings